

क्यों? (1) कन्या कुमारी भूमध्यरेखा के नज़दीक स्थित है जहाँ वर्ष भर सूर्य सिर के उपर चमकता रहता है जिससे दिन और रात का अन्तराल लगभग बराबर रहता है। (2) भूमध्य रेखा से दूर होने के कारण कश्मीर में दिन और रात के अन्तराल में अधिक अन्तर दिखाई देता है।

06

खादर- वह क्षेत्र जहाँ बाढ़ का पानी आता है और वो पानी नई मिट्टी बहाकर लाती है उसे खादर जलोढ़ मिट्टी कहते हैं। यह उपजाऊ होती है।

08

बांगर- वह क्षेत्र जहाँ बाढ़ नहीं आती या बाढ़ का पानी नहीं पहुंच पाता वहाँ हमेशा पुरानी मिट्टी ही जमी रहती है उसे बांगर जलोढ़ मिट्टी कहते हैं। यह कम उपजाऊ होती है।



 इसे सुनें

हिमालय की उत्पत्ति

यूरेशियाई और भारतीय प्लेटों के बीच यह टकराव समुद्री प्लेट के निमज्जित हो जाने के बाद यह समुद्री-समुद्री अब महाद्वीपीय-महाद्वीपीय टकराव में बदल गया और (650 लाख वर्ष पूर्व) केन्द्रीय **हिमालय** की रचना हुई। तब से लेकर अब तक तकरीबन 2500 किमी की भूपर्पटीय लघुकरण की घटना हो चुकी है।

गिलोटिन

09

:

गिलोटिन अथवा ऊर्ध्वाधर कर्तरी शिरच्छेदन मृत्युदण्ड देने के लिए कर्त्तन यन्त्र है। फ्रांसीसी क्रांति के समय फ्रांस में इसका विशेष उपयोग हुआ और बहुत से लोगों इसके द्वारा का सिरोच्छेद करके मारा गया। इस यंत्र नाम इसके आविष्कारक डॉ गिलोटिन के नाम पर रखा गया है। यह दो खंभों के बीच लटकता आरे वाला यंत्र है।

14 जुलाई 1789 का महत्व क्या है?

March 8 15:24 Tue

529

09 अथवा

14 जुलाई 1789 को फ्रांस के लगभग 7000 लोगों ने बास्तील के किले पर आक्रमण कर दिया। फ्रांस में अफवाह यह थी कि राजा लोगों पर गोलियां चलाने का आदेश दे दिया है। लोगों ने हथियार की खोज में बास्तील के किले में प्रवेश किया जिसमें बास्तील का कमांडर मारा गया। हथियार ना मिलने पर लोगों ने महत्वपूर्ण दस्तावेजों को जला दिया तथा वकील के जिले में कैद 7 कैदियों को छुड़ा दिया। इसके पश्चात बास्तील के किले को नष्ट कर दिया बास्तील का किला फ्रांसीसी निरंकुशता का प्रतीक था। किले के पतन के पश्चात इसने लोगों के मन में उत्साह उत्पन्न किया तथा राजा ने अपने लोगों की शक्तियां देखते हुए संविधान पर हस्ताक्षर कर दिया। 14 जुलाई 1789 का फ्रांसीसी क्रांति में महत्वपूर्ण योगदान रहा।

उत्तर—1817 का दशक आत-आत समाजवादा विचार पूर यूराप म फल चुक थ। अपने प्रयासों में समन्वय लाने के लिए समाजवादियों ने द्वितीय इण्टरनेशनल के नाम से एक अन्तर्राष्ट्रीय संस्था बनाई थी।

प्रश्न 2. लेबर पार्टी का गठन कब और कहाँ हुआ था ?

10

उत्तर—1905 में ब्रिटेन के समाजवादियों और ट्रेड-यूनियन आन्दोलनकारियों ने लेबर पार्टी के नाम से अपनी एक अलग पार्टी बना ली थी।

प्रश्न 3. खूनी रविवार की घटना क्या थी ?



लोकतंत्र का अर्थ क्या होता है?

13



लोकतंत्र एक प्रकार का शासन व्यवस्था है, जिसमें सभी व्यक्ति को समान अधिकार होता हैं। एक अच्छा लोकतंत्र वह है जिसमें राजनीतिक और सामाजिक न्याय के साथ-साथ आर्थिक न्याय की व्यवस्था भी है। देश में यह शासन प्रणाली लोगो को सामाजिक, राजनीतिक तथा धार्मिक स्वतंत्रता प्रदान करती हैं।



संविधान संशोधन से आप क्या समझते हैं इसका क्या महत्व है?

13 अथवा

भारतीय संविधान ने महसूस किया कि इसे लोगों की आकांक्षाओं और समाज में बदलाव के अनुरूप होना चाहिए। उन्होंने इसे एक पवित्र, स्थिर और अपरिवर्तनीय कानून के रूप में नहीं देखा। इसलिए, उन्होंने **समय-समय पर परिवर्तनों को शामिल करने के प्रावधान किए**। इन परिवर्तनों को संवैधानिक संशोधन कहा जाता है।



वयस्क मताधिकार क्या है इसका उत्तर बताइए?

15

सार्वभौमिक **वयस्क मताधिकार** का अर्थ है कि हर **वयस्क** महिला तथा पुरुष को बिना किसी भेदभाव के वोट डालने का अधिकार प्रदान करना । इस प्रणाली के अधीन एक निर्धारित आयु के पश्चात व्यक्ति को वोट डालने का अधिकार प्राप्त हो जाता है । **वयस्क मताधिकार** ने धीरे-धीरे स्वतः एक सामूहिक कानून का रूप ले लिया है।



मौलिक अधिकार क्या हैं समझाइए?

15 अथवा



जिसे 44वें संविधान संशोधन द्वारा हटा दिया गया था। अब केवल छः **मौलिक अधिकार हैं**; जो इस प्रकार है। (i) सभी लोगों, नागरिकों और बाहरी लोगों को कानून (विधि) के समक्ष समानता का अर्थ है कि राज्य किसी भी व्यक्ति को कानून के समक्ष समानता और भारत की सीमा क्षेत्र के भीतर कानून की समान सुरक्षा से इन्कार नहीं करेगा।

16

Solution : **प्रच्छन्न बेरोजगारी** उस **बेरोजगारी** को कहते हैं जिसमें कुछ लोगों की उत्पादकता शून्य होती है अर्थात् यदि इन लोगों को उस काम से हटा भी लिया जाए तो भी उत्पादन में कोई अंतर नहीं आएगा। विकासशील देशों में **प्रच्छन्न बेरोजगारी** अवसर मौजूद होती है जिनकी बड़ी आबादी श्रम शक्ति में अधिशेष का सृजन करती है।

राज्य के नीति निर्देशक तत्व 19

राज्य के नीति निर्देशक तत्वों को संविधान के भाग-4 में अनुच्छेद 36 से 51 तक में शामिल किया गया है। राज्य के नीति निर्देशक तत्वों का उद्देश्य नीति निर्माताओं के सामने कुछ सामाजिक व आर्थिक लक्ष्यों को प्रस्तुत करना था ताकि वृहत्तर सामाजिक आर्थिक समानता की दिशा में देश में सामाजिक बदलाव लाये जा सकें। सर्वोच्च न्यायालय ने भी राज्य के नीति निर्देशक तत्वों से सम्बंधित कुछ निर्णय दिए हैं।

संसदीय प्रणाली (Samśadiya Praṇālī) लोकतान्त्रिक शासन की वह प्रणाली है जिसमें कार्यपालिका और विधायिकता में घनिष्ठ सम्बंध होता है क्योंकि वास्तविक कार्यपालिका का निर्माण विधायिका से होता है । संसदात्मक शासन प्रणाली विलय के सिद्धांत पर कार्य करती है क्योंकि जो व्यक्ति विधायिका का सदस्य होने के कारण नियम बनाता है वही व्यक्ति कार्यपालिका का सदस्य बन कर नियमों को कियॉवित करता है

19 अथवा

संसदात्मक शासन प्रणाली विधायिकता के प्रति उत्तरदायी होती है। इस प्रणाली में राज्य का मुखिया तथा सरकार का मुखिया अलग-अलग व्यक्ति होते हैं। कार्यपालिका ही प्रमुख शासक होता है | भारत में संसदीय शासन प्रणाली है। इसके विपरीत अध्यक्षीय प्रणाली (presidential system) में प्रायः राज्य का अध्यक्ष सरकार (कार्यपालिका) का भी अध्यक्ष होता है। इससे भी अधिक महत्वपूर्ण यह है कि अध्यक्षीय प्रणाली में कार्यपालिका अपनी लोकतान्त्रिक वैधता विधायिका से नहीं प्राप्त करती। इस प्रणाली में राष्ट्रपति शासक होता है।

संसदात्मक शासन प्रणाली को मंत्री मंडल शासन प्रणाली या उत्तरदायी शासन प्रणाली भी कहते हैं।

जापान एक विकसित देश है क्योंकि वह एक **20**
औद्योगिक देश है। वहाँ बड़े-बड़े उद्योग स्थापित हैं। वहाँ
कुशल व शिक्षित श्रमिक तथा उच्च एवं आधुनिक
तकनीकी के कारण भारी मात्रा में उच्च स्तर की वस्तुओं
का उत्पादन होता है।

प्रश्न जन्मदर एवं मृत्युदर का क्या अर्थ है ?

उत्तर-

20 अथवा

जन्मदर-किसी देश या क्षेत्र में प्रति हजार व्यक्तियों पर एक वर्ष में जन्मे जीवित बच्चों की संख्या को जन्मदर कहा जाता है। सन् 2011 की जनगणना के अनुसार जन्म दर 20-97 व्यक्ति प्रति हजार है। किसी भी देश में जन्मदर जितनी ऊँची होगी उस देश में जनसंख्या वृद्धि की दर भी उतनी ही ऊँची होगी।

मृत्युदर-किसी देश या क्षेत्र में प्रति हजार व्यक्तियों पर एक वर्ष में मरने वाले बच्चों की संख्या को मृत्युदर कहते हैं। किसी भी देश की मृत्यु दर जितनी ऊँची होगी जनसंख्या वृद्धि दर उतनी ही नीची होगी।

21 अथवा

जैकोबिन्स वामपंथी क्रांतिकारी थे जिनका मुख्य उद्देश्य राजा लुई सोलहवें के शासन को समाप्त करना और फ्रांसीसी गणराज्य की स्थापना करना था जिसमें राजनीतिक अधिकार लोगों से बहेगा। जैकोबिन फ्रांसीसी क्रांति में शामिल सबसे प्रसिद्ध और कट्टरपंथी राजनीतिक कार्य थे। 2 अग० 2022